Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BD-204

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination June – 2022

B.A. Darshan, Semester : Second
Sanskrit ; Paper : Fourth

संस्कृतव्याकरण–IV

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. चतुर्थी विभक्ति से सम्बद्ध किन्हीं पांच सूत्रों की अर्थोदाहरण पूर्वक व्याख्या करें।
2. प्रादितत्पुरुष के पांच वार्तिकों का उल्लेख करते हुये व्याख्या करें।
3. निम्न सूत्रों की अर्थोदाहरण पूर्वक व्याख्या करें –
   सप्तम्यधिकरणे च, यतश्च निर्धारणम्, षष्ठी चानादरे, यस्मादधिकं यस्य चेश्वरवचनं तत्र सप्तमी।
4. तृतीया विभक्ति से सम्बद्ध किन्हीं चार सूत्रों की अर्थोदाहरणपूर्वक व्याख्या करें।
5. निम्नसूत्रों की अर्थोदाहरणपूर्वक व्याख्या करें –
   खट्वा क्षेपे, तृतीया तत्कृतार्थेन गुण वचनेन, अञ्जेन व्यञ्जनम्, पञ्मी भयेन।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. निम्न सूत्रों की व्याख्या करें – परवल्लिङ्गं द्वन्द्वतत्पुरुषयोः, सभा राजाऽमनुष्यपूर्वा।
7. सूत्रों की व्याख्या करें – उपपदमतिङ्, अर्धं नपुंसकम्।
8. सूत्रों की व्याख्या करें – द्वितीया श्रितातीतपतितगतात्यस्त प्राप्तापन्नैः। दूरान्तिकार्थैः षष्ठ्यन्यतरस्याम्।
9. सूत्रों की व्याख्या करें – पञ्चम्यपाङ् परिभिः, अकर्तर्युणे पञ्चमी।
10. सूत्रों की व्याख्या करें – षष्ठी शेषे, व्यवहृपणोः समर्थयोः।
11. सूत्रों की व्याख्या करें – कर्तृकर्मणोः कृति, उभयप्राप्तौ कर्मणि।
12. निम्न सूत्रों की व्याख्या करें – भीत्रार्थानां भयहेतुः, पराजेरसोढः।

----------x----------